GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)



DEPARTMENT OF HISTORY

SLOW AND ADVANCED LEARNER'S RECORD 2023-24

प्रशास करें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है	खात्र/हाताओं की क्यामितगत एवं विषय संबंधी समस्या निवारण की जानकार		<u>भ</u> त्र ~	- 2023-	24	Date Page	
1. उत्तीना कोर्स 8 A III प्रश्न हिल्ला की किया में प्रश्न हिल्ला की किया किया की किया की किया की किया की किया किया कि	कु ध्राम ध्रिमां काम काम व्यामस्या	बिनाक	સમાહ્યા গ	पाड्या पक का नीम		अहमाप कका हिस्ताय (विद्यापिका भोषाष्ट्रल मैं
2. जारा पार्ट कर्मा केलि कारिक समस्या कार्य से प्राप्त कर किल्ला केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि	1. अर्चना कोरेटी BA:III भी Bocuments में संदेशिय	19/7/2023	विद्यार्थी को उधित भार्भ दर्शन एवं समाह		Árema	essh	7489185 889
3. मांहरम प	2: Sem- संबंधित आविष्ठ समस्था उग	22/7/2023	महाविधालाय के विवेकानन्द्र कीय से संश्वास संबंधी साम्मापी -पुदान की गई।	डा. श्रीलन्ड सिंह	TIEIE	850	
प्रिकाली MA pre प्रमान फार्स हुत शाब्यक मिर्टिंग के प्रमान प्रमान कि स्थान कर्मा क्रिक्ट कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	3. मोहम्म द हाइम टेबल की मंबंहित जैद हिना अमह्या/र का (ही प्री) Sem: श्रीका	THE DESIGNATION OF THE PERSON	सम्बन्ध दिखाकर/ समझाकर समस्या/अँब का समाधा १ किया	जा हिल्ड	Jare!	MIL.	
5. विवादा साह MET/SET संबंधी किलान से 12/12/2023 किलाह साह Related समस्या कर्माई गई समस्या कर साह समस्या कर समस्या किला जागा) 6.	The Company of the Co	1 7 /08/2013	ed पुरुष्ण कर कर के	डा. २)लेन्ड फिर्स	र्म्गाली	1	
7. Cord manufacture (C.G.)	5. ANOTHER MAIL NET/SET ZIGHEN LOWARD AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	12/12/2023	विभाग में उपलब्ध ठळ १६ ७५१ ग करके समस्या का सभाधान	हमलत)		Hefsoly.	
7. Contains and Co		375.12		The HT-		(15X	
	1-12 200					Cont Don't	PG (C.G.)
The state of the s	g. m.						

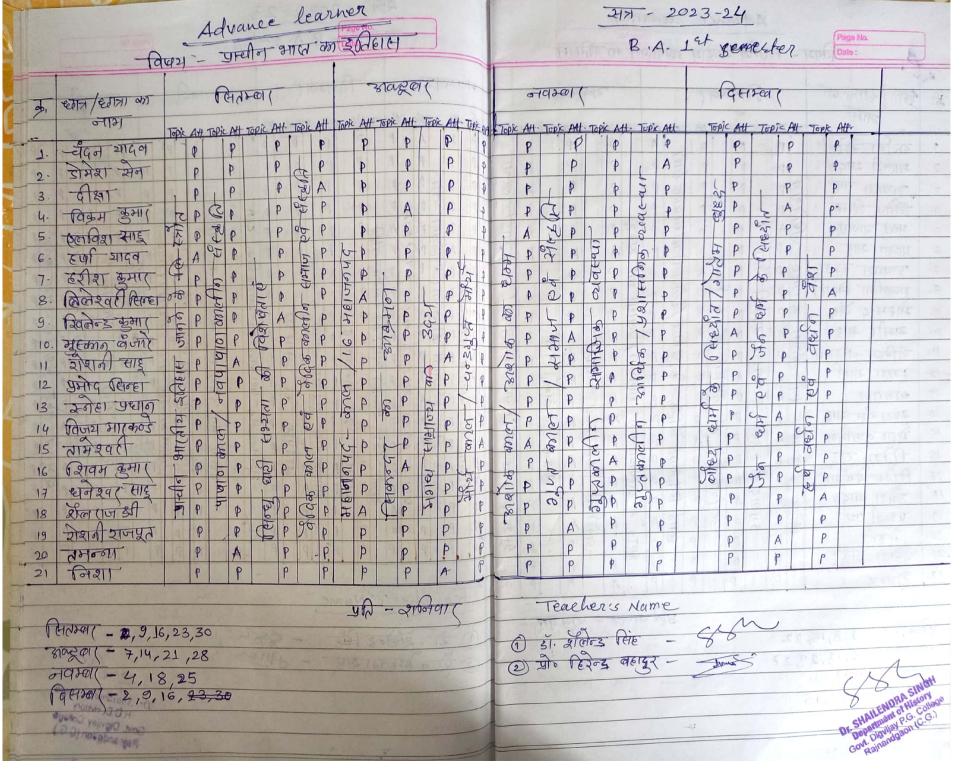
इतिहास विभाग सत्र-2023-202५ विभागीय अकादमिक कैलेंडर

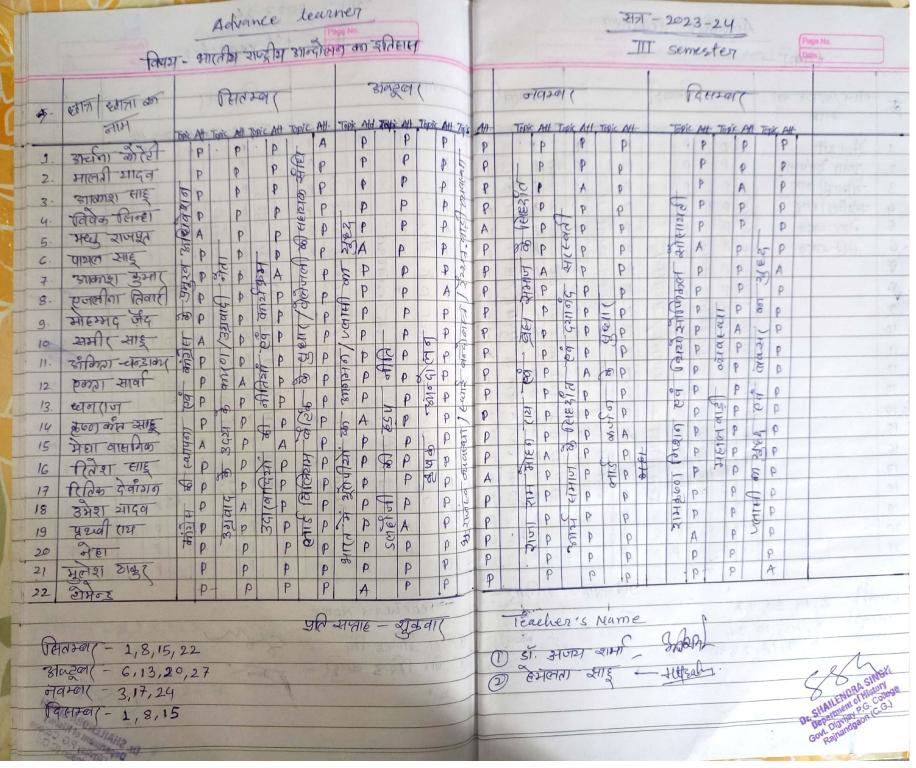
क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2,	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10.दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
金10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ता

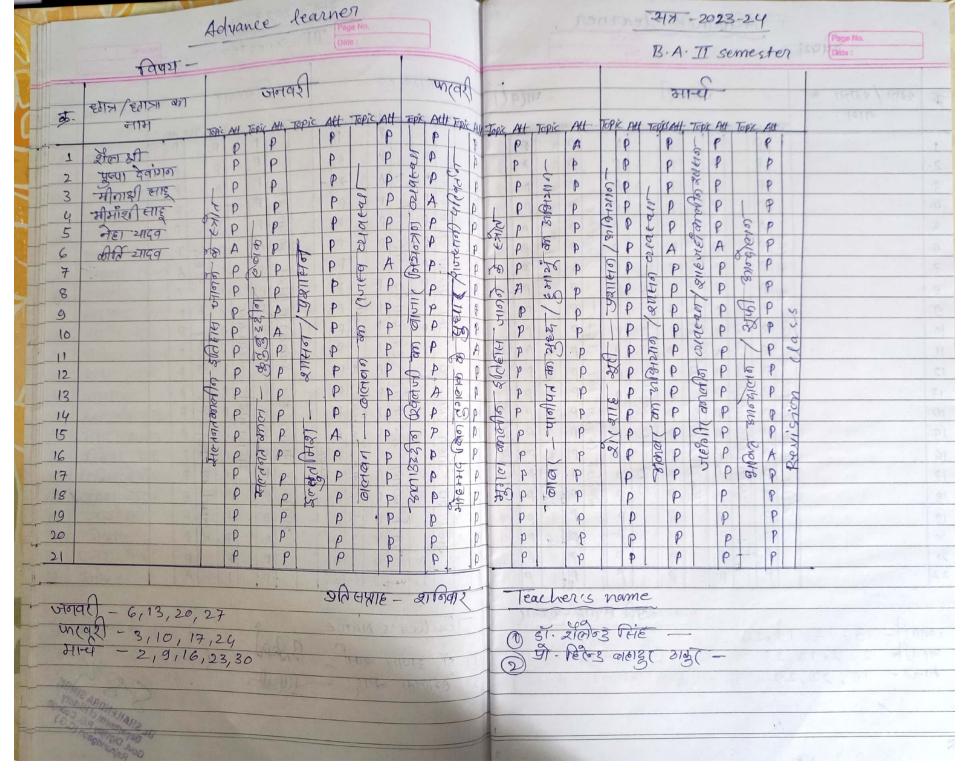
इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का

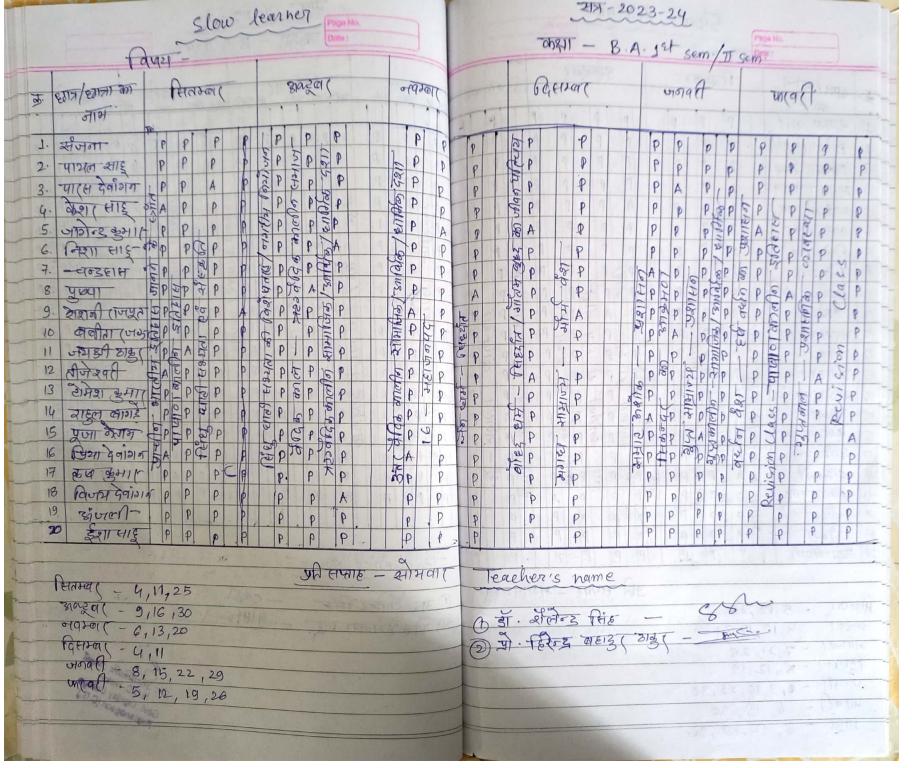
Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

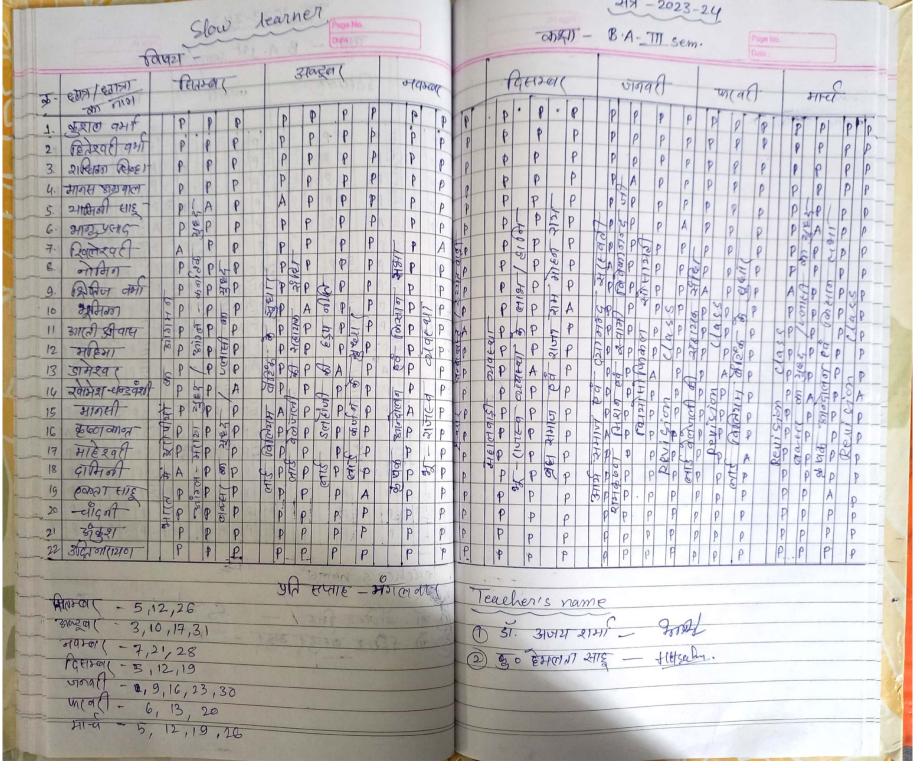
Dr. SHAILENDRA SINGH
Department of History
Govt. Digvijay P.G. College
Rajnandgaon (C.G.)













Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

a: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने

कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्टुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा — 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के रथान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने

चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फी इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फार्र्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंग में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्ट्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबिक दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है।

अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com : & Fax 07744-296331

College Code: 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ खतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में विझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पडा तब वीरनारायण

सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करखोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूरकार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपरिथत थे।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने

बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर श्री चैतराम साह्, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

> (डॉ. के.एल.टांडेकर) प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.कं.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग

के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षािणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभिक्त विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएँगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

प्रशास करें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है	खात्र/हाताओं की क्यामितगत एवं विषय संबंधी समस्या निवारण की जानकार		<u>भ</u> त्र ~	- 2023-	24	Date Page	
1. उत्तीना कोर्स 8 A III प्रश्न हिल्ला की किया में प्रश्न हिल्ला की किया किया की किया की किया की किया की किया किया कि	कु ध्राम ध्रिमां काम काम व्यामस्या	बिनाक	સમાહ્યા গ	पाड्या पक का नीम		अहमाप कका हिस्ताय (विद्यापिका भोषाष्ट्रल मैं
2. जारा पार्ट कर्मा केलि कारिक समस्या कार्य से प्राप्त कर किल्ला केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि	1. अर्चना कोरेटी BA:III भी Bocuments में संदेशिय	19/7/2023	विद्यार्थी को उधित भार्भ दर्शन एवं समाह		Árema	essh	7489185 889
3. मांहरम प	2: Sem- संबंधित आविष्ठ समस्था उग	22/7/2023	महाविधालाय के विवेकानन्द्र कीय से संश्वास संबंधी साम्मापी -पुदान की गई।	डा. श्रीलन्ड सिंह	TIEIE	850	
प्रिकाली MA pre प्रमान फार्स हुत शाब्यक मिर्टिंग के प्रमान प्रमान कि स्थान कर्मा क्रिक्ट कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	3. मोहम्म द हाइम टेबल की मंबंहित जैद हिना अमह्या/र का (ही प्री) Sem: श्रीका	THE DESIGNATION OF THE PERSON	सम्बन्ध दिखाकर/ समझाकर समस्या/अँब का समाधा १ किया	जा हिल्ड	Jare!	MIL.	
5. विवादा साह MET/SET संबंधी किलान से 12/12/2023 किलाह साह Related समस्या कर्माई गई समस्या कर साह समस्या कर समस्या किला जागा) 6.	The Company of the Co	1 7 /08/2013	ed पुरुष्ण कर कर के	डा. ३)लेन्ड फिर्स	र्म्गाली	1	
7. Cord manufacture (C.G.)	5. ANOTHER MAIL NET/SET ZIGHEN LOWARD AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	12/12/2023	विभाग में उपलब्ध ठळ १६ ७५१ ग करके समस्या का सभाधान	हमलत)		Hefsoly.	
7. Contains and Co		375.12		The HT-		(15X	
	1-12 200					Cont Don't	PG (C.G.)
The state of the s	g. m.						

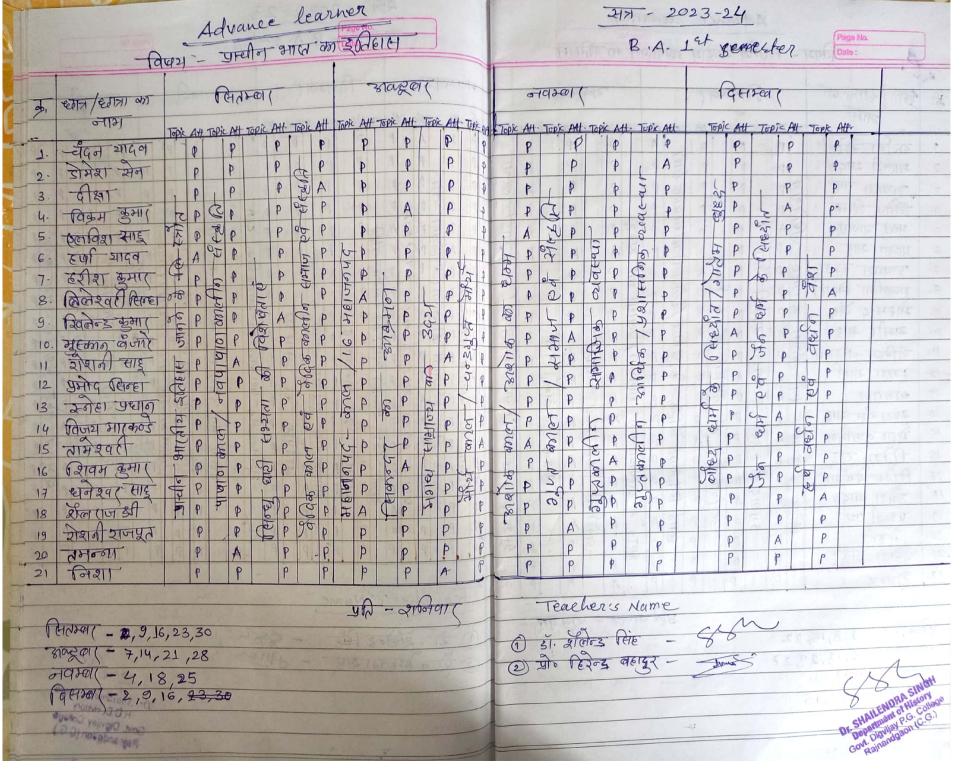
इतिहास विभाग सत्र-2023-202५ विभागीय अकादमिक कैलेंडर

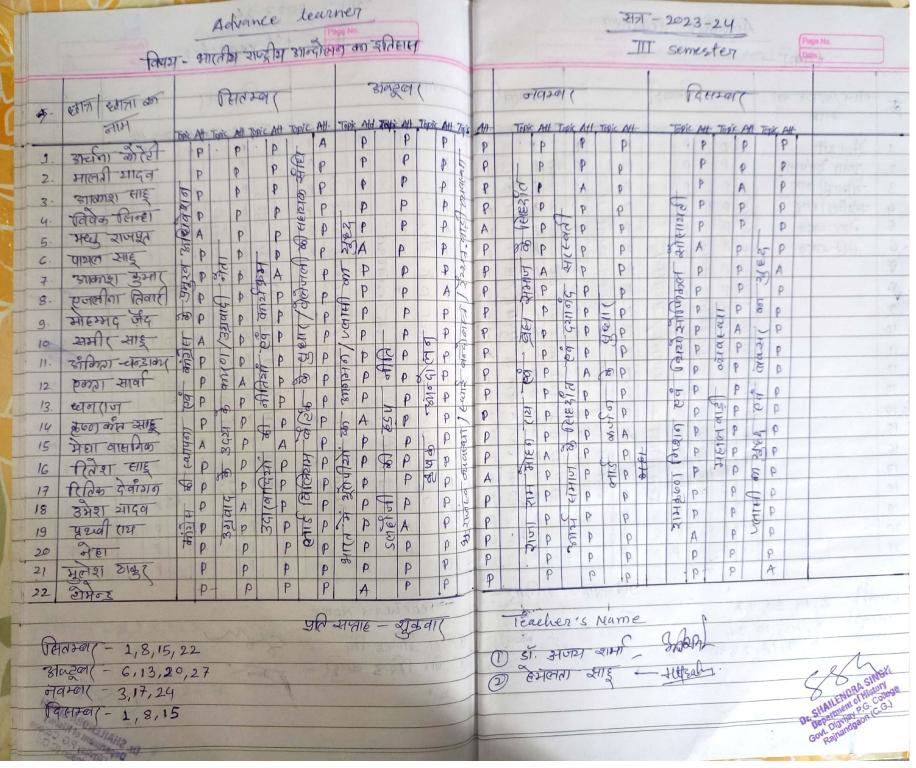
क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2,	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10.दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
金10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ता

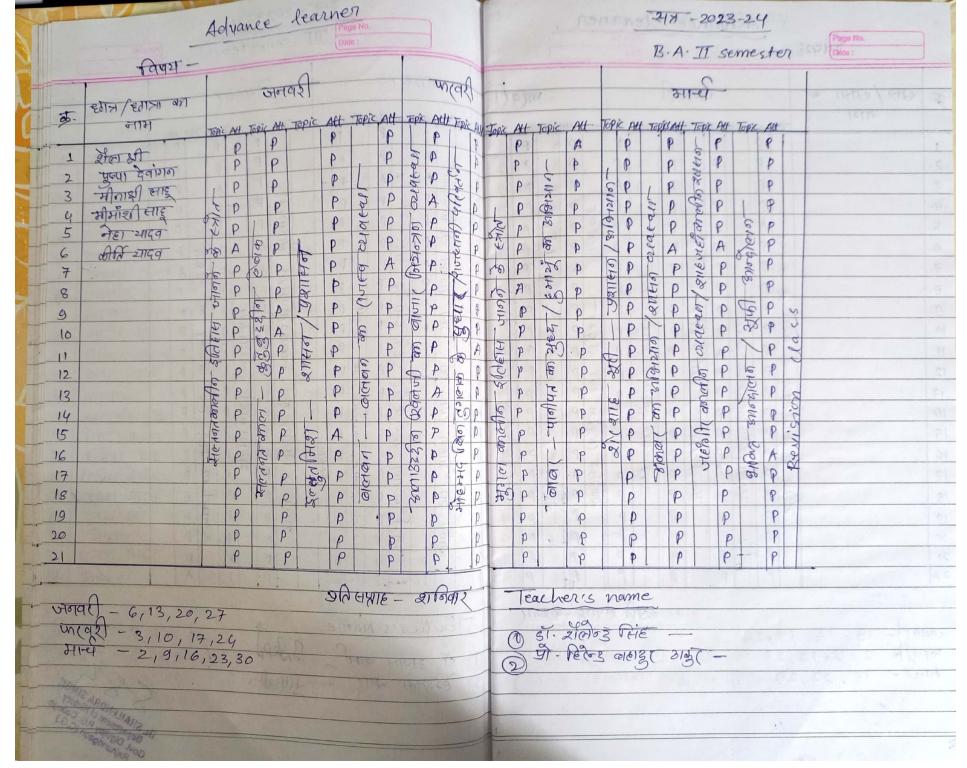
इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का

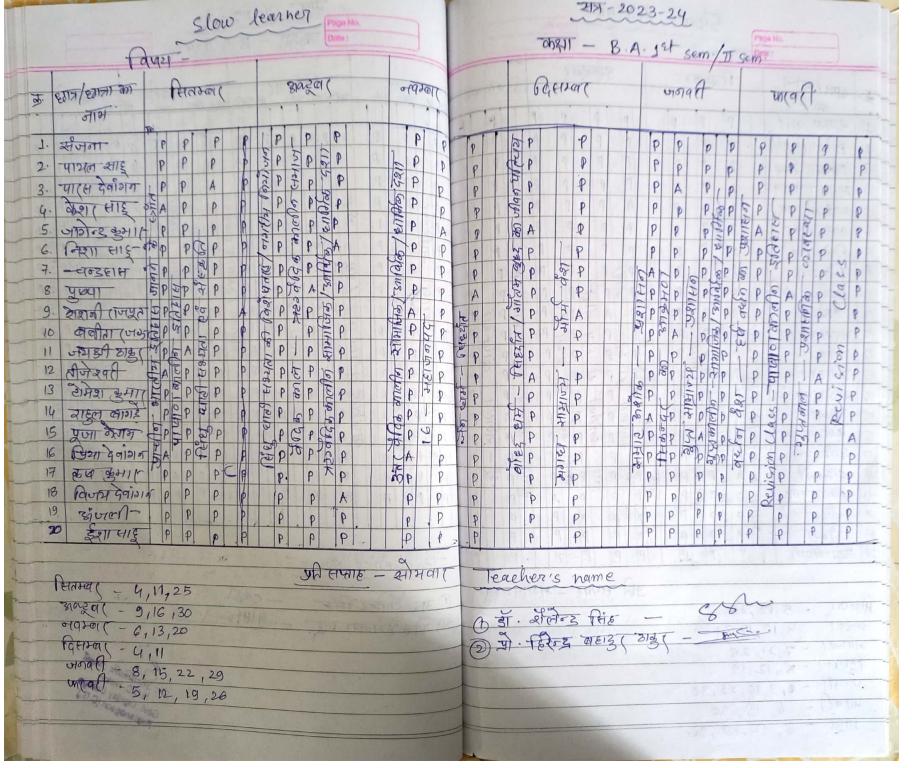
Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

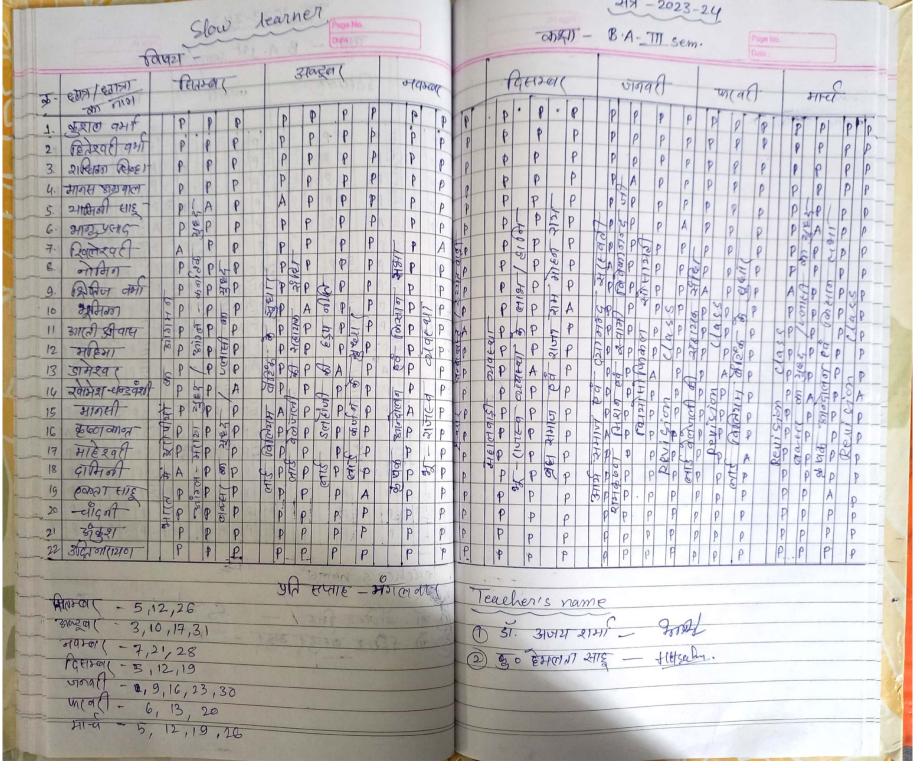
Dr. SHAILENDRA SINGH
Department of History
Govt. Digvijay P.G. College
Rajnandgaon (C.G.)













Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

a: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने

कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्टुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा — 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।



Web site- www.digvijaycollege.com

College Code: 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के रथान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने

चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फी इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फार्र्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंग में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्ट्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबिक दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है।

अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com : & Fax 07744-296331

College Code: 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ खतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में विझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पडा तब वीरनारायण

सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करखोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूरकार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपरिथत थे।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने

बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर श्री चैतराम साह्, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

> (डॉ. के.एल.टांडेकर) प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.कं.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग

के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षाणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभिक्त विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएँगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

प्रशास करें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है	खात्र/हाताओं की क्यामितगत एवं विषय संबंधी समस्या निवारण की जानकार		<u>भ</u> त्र ~	- 2023-	24	Date Page	
1. उत्तीना कोर्स 8 A III प्रश्न हिल्ला की किया में प्रश्न हिल्ला की किया किया की किया की किया की किया की किया किया कि	कु ध्राम ध्रिमां काम काम व्यामस्या	बिनाक	સમાહ્યા গ	पाड्या पक का नीम		अहमाप कका हिस्ताय (विद्यापिका भोषाष्ट्रल मैं
2. जारा पार्ट कर्मा केलि कारिक समस्या कार्य से प्राप्त कर किल्ला केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि	1. अर्चना कोरेटी BA:III भी Bocuments में संदेशिय	19/7/2023	विद्यार्थी को उधित भार्भ दर्शन एवं समाह		Árema	essh	7489185 889
3. मांहरम प	2: Sem- संबंधित आविष्ठ समस्था उग	22/7/2023	महाविधालाय के विवेकानन्द्र कीय से संश्वास संबंधी साम्मापी -पुदान की गई।	डा. श्रीलन्ड सिंह	TIEIE	850	
प्रिकाली MA pre प्रमान फार्स हुत शाब्यक मिर्टिंग के प्रमान प्रमान कि स्थान कर्मा क्रिक्ट कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	3. मोहम्म द हाइम टेबल की मंबंहित जैद हिना अमह्या/र का (ही प्री) Sem: श्रीका	THE DESIGNATION OF THE PERSON	सम्बन्ध दिखाकर/ समझाकर समस्या/अँब का समाधा १ किया	जा हिल्ड	Jare!	MIL.	
5. विवादा साह MET/SET संबंधी किलान से 12/12/2023 किलाह साह Related समस्या कर्माई गई समस्या कर साह समस्या कर समस्या किला जागा) 6.	The Company of the Co	1 7 /08/2013	ed पुरुष्ण कर कर के	डा. ३)लेन्ड फिर्स	र्म्गाली	1	
7. Cord manufacture (C.G.)	5. ANOTHER MAIL NET/SET ZIGHEN LOWARD AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	12/12/2023	विभाग में उपलब्ध ठळ १६ ७५१ ग करके समस्या का सभाधान	हमलत)		Hefsoly.	
7. Contains and Co		375.12		The HT-		(15X	
	1-12 200					Cont Don't	PG (C.G.)
The state of the s	g. m.						

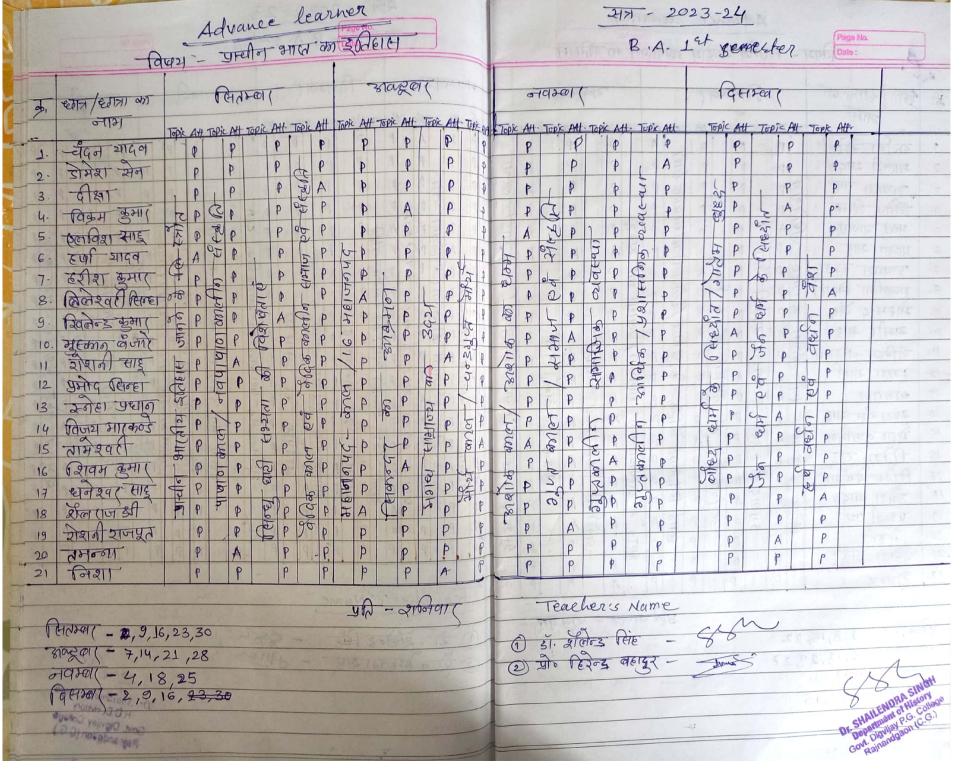
इतिहास विभाग सत्र-2023-202५ विभागीय अकादमिक कैलेंडर

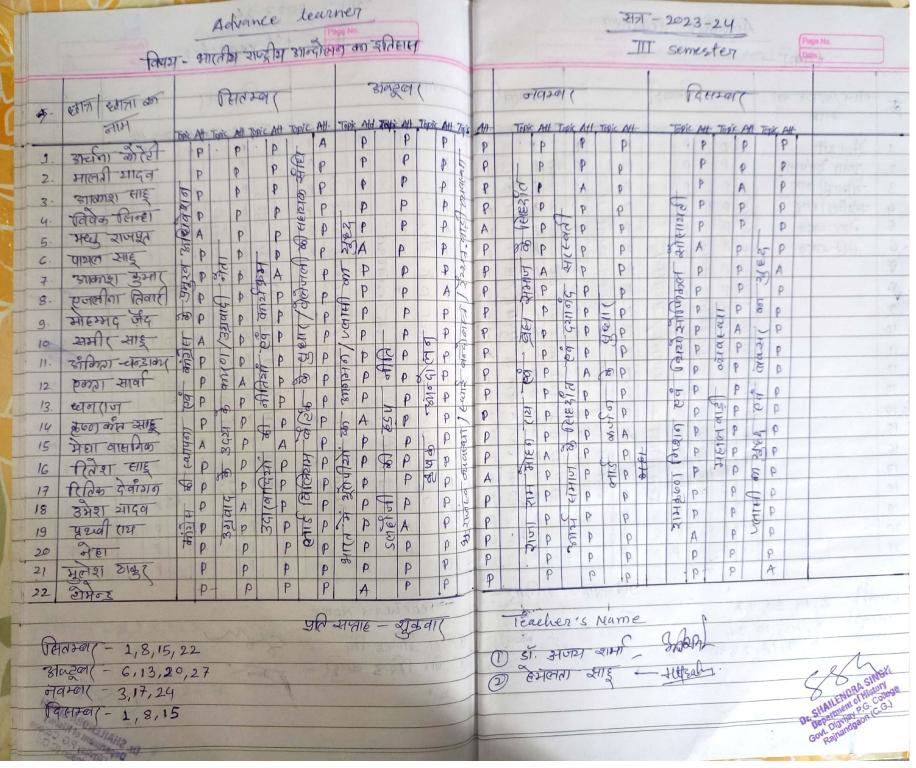
क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2,	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10.दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
金10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ता

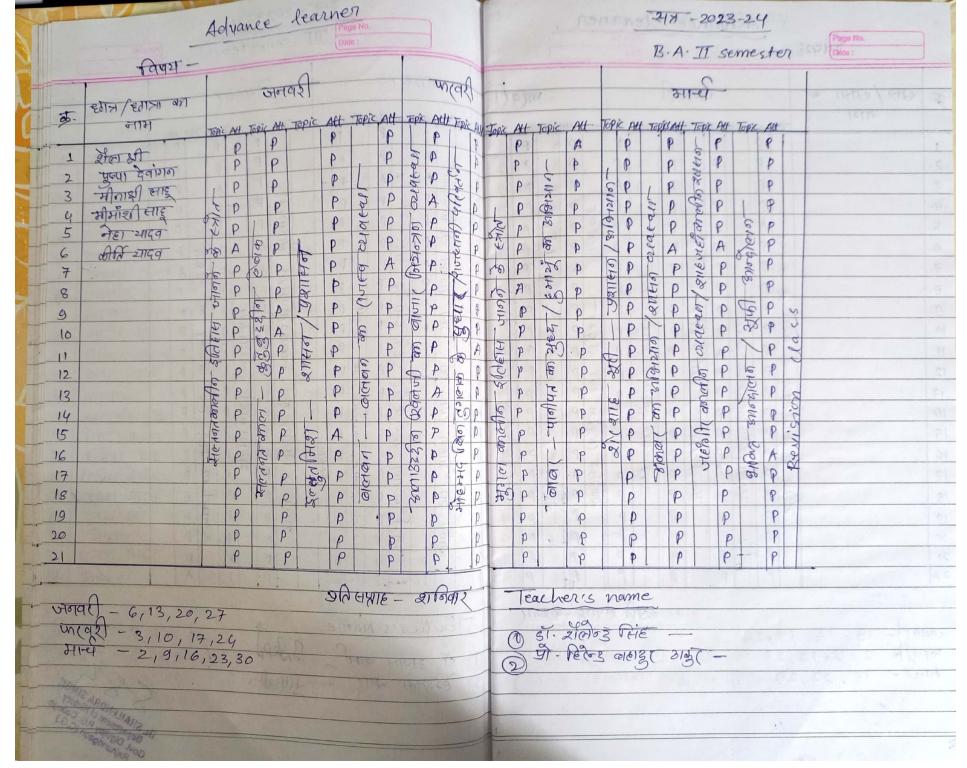
इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का

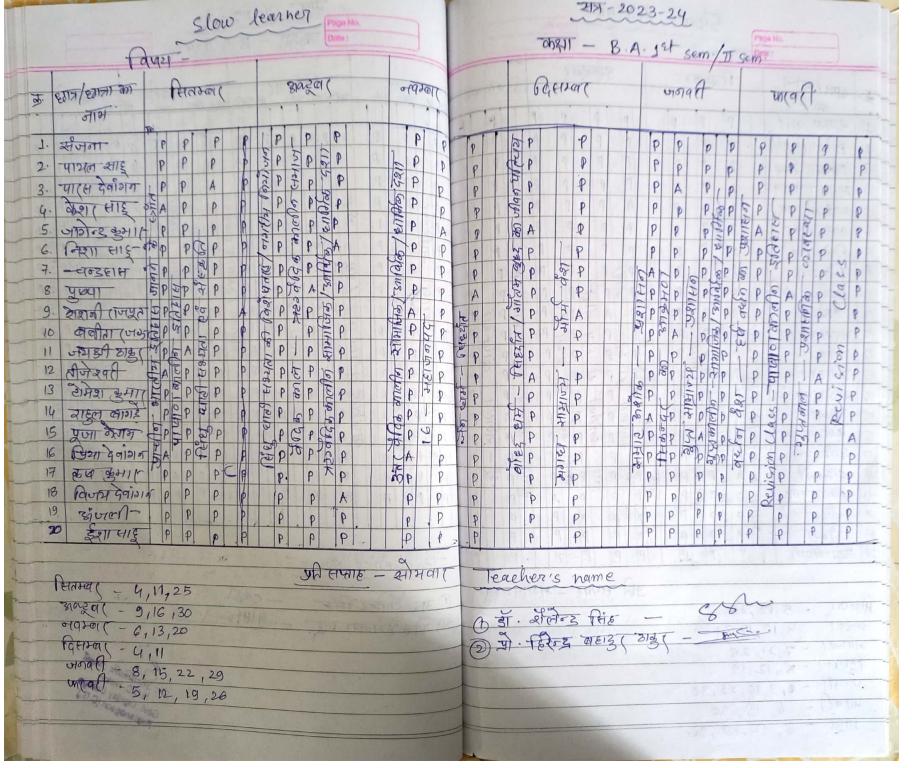
Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

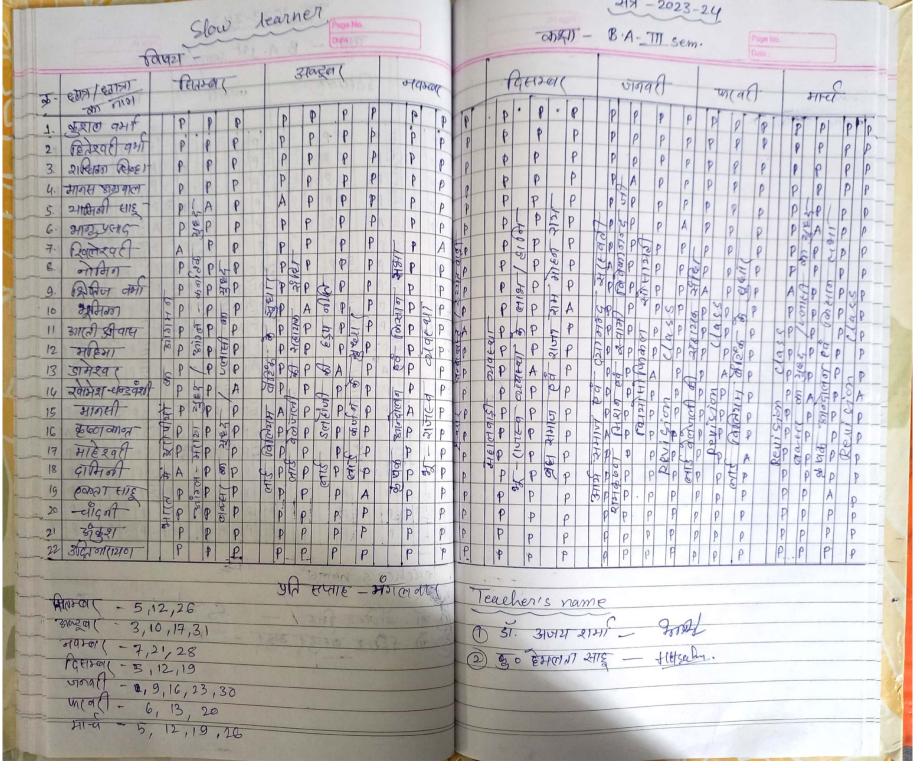
Dr. SHAILENDRA SINGH
Department of History
Govt. Digvijay P.G. College
Rajnandgaon (C.G.)













Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

a: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने

कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्टुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा — 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।



Web site- www.digvijaycollege.com

College Code: 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के रथान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने

चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फी इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फार्र्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंग में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्ट्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबिक दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है।

अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com : & Fax 07744-296331

College Code: 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ खतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में विझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पडा तब वीरनारायण

सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करखोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूरकार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपरिथत थे।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने

बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर श्री चैतराम साह्, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

> (डॉ. के.एल.टांडेकर) प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.कं.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग

के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षाणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभिक्त विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएँगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

प्रशास करें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है	क्रात्र /ह्यात्राओं की क्याबित्यत हवं विषय र्संबंधी समस्या निवाला की जानकारी		知了 - 2023-24				
1. उत्तीना कोर्स 8 A III प्रश्न हिल्ला की किया में प्रश्न हिल्ला की किया किया की किया की किया की किया किया कि किया कि	कु ध्राम ध्रिमां काम काम व्यामस्या	बिनाक	સમાહ્યા গ	पाड्या पक का नीम		अहमाप कका हिस्ताय (विद्यापिका भोषाष्ट्रल मैं
2. जारा पार्ट कर्मा केलि कारिक समस्या कार्य से प्राप्त कर किल्ला केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि	1. अर्थना कोरेटी BA:III भी Bocuments में संदेशिय	19/7/2023	विद्यार्थी को उधित भार्भ दर्शन एवं समाह		Árema	essh	7489185 889
3. मांहरम प	2: Sem- संबंधित आविष्ठ समस्था उग	22/7/2023	महाविधालाय के विवेकानन्द्र कीय से संश्वास संबंधी साम्मारी -पुदान की गई।	डा. श्रीलन्ड सिंह	TIEIE	850	
प्रिकाली MA pre प्रमान फार्स हुत शाब्यक मिर्टिंग के प्रमान प्रमान कि स्थान कर्मा क्रिक्ट कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	3. मोहम्म द हाइम टेबल की मंबंहित जैद हिना अमह्या/र का (ही प्री) Sem: श्रीका	THE DESIGNATION OF THE PERSON	सम्बन्ध दिखाकर/ समझाकर समस्या/अँब का समाधा १ किया	जा हिल्ड	Jare!	MIL.	
5. विवादा साह MET/SET संबंधी किलान से 12/12/2023 किलाह साह Related समस्या कर्माई गई समस्या कर साह समस्या कर समस्या किला जागा) 6.	The Company of the Co	1 7 /08/2013	ed पुरुष्ण कर कर के	डा. २)लेन्ड फिर्स	र्म्गाली	1	
7. Cord manufacture (C.G.)	5. ANOTHER MAIL NET/SET ZIGHEN LOWARD AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	12/12/2023	विभाग में उपलब्ध ठळ १६ ७५१ ग करके समस्या का सभाधान	हमलत)		Hefsoly.	
7. Contains and Co		375.12		The HT-		(15X	
	1-12 200					Cont Don't	PG (C.G.)
The state of the s	g. m.						

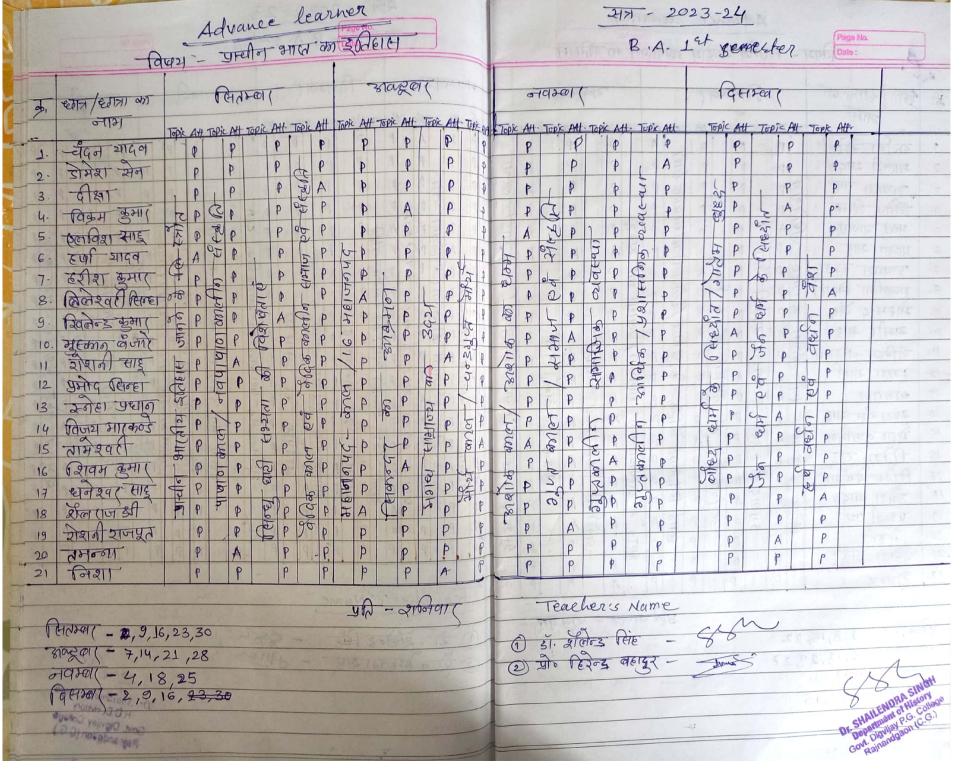
इतिहास विभाग सत्र-2023-202५ विभागीय अकादमिक कैलेंडर

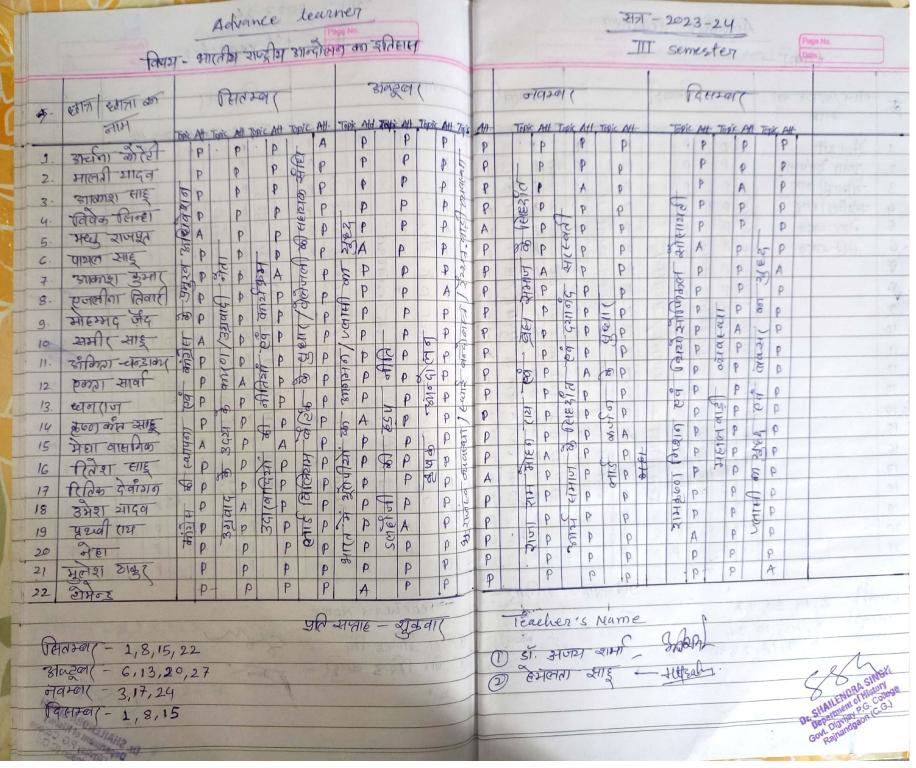
क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2,	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10.दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
金10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ता

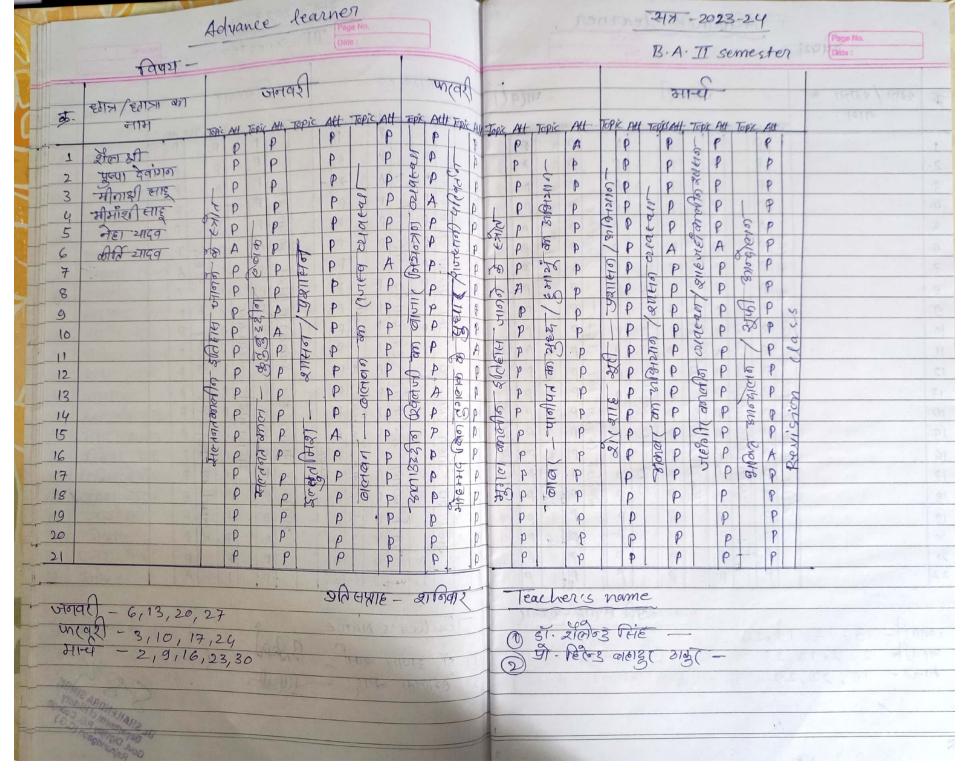
इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का

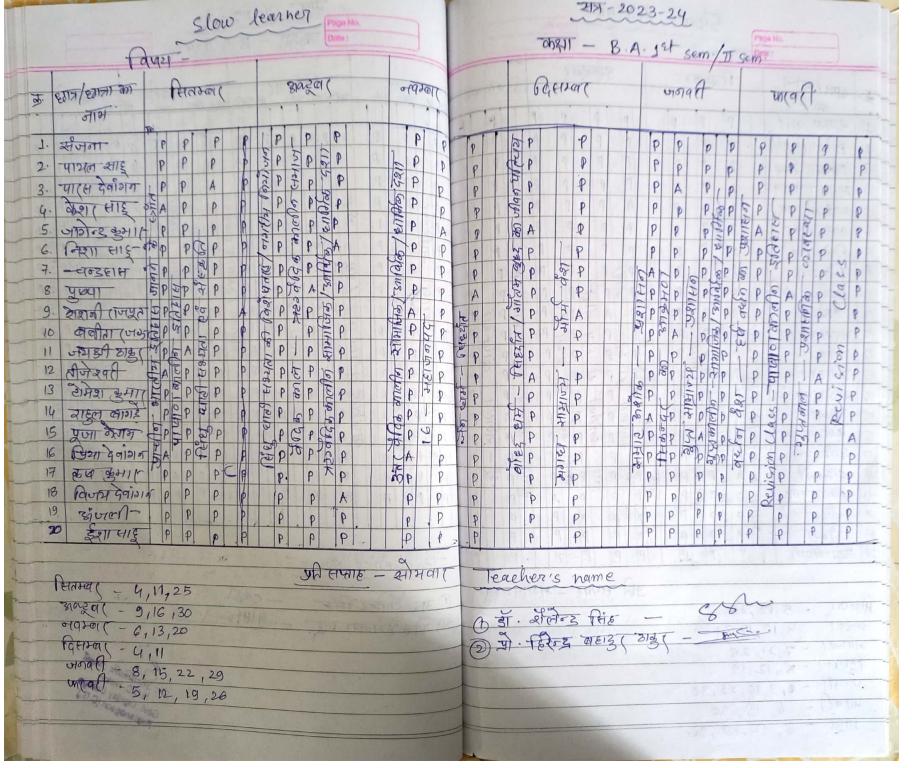
Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

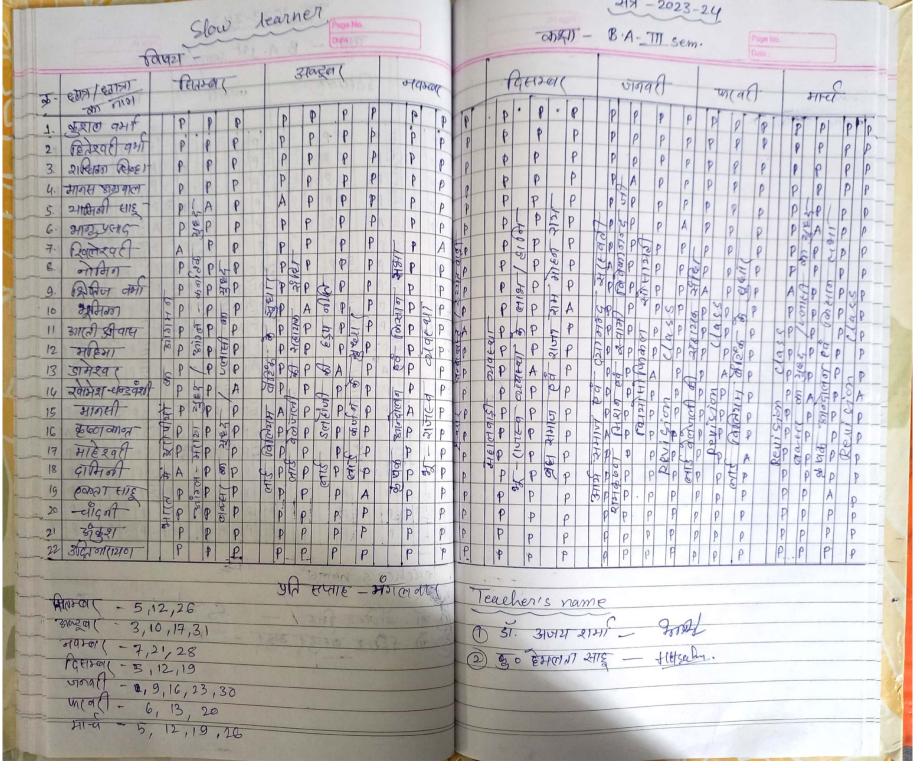
Dr. SHAILENDRA SINGH
Department of History
Govt. Digvijay P.G. College
Rajnandgaon (C.G.)













Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

a: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने

कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्टुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा — 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के रथान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने

चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फी इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फार्र्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंग में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्ट्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबिक दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है।

अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com : & Fax 07744-296331

College Code: 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ खतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में विझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पडा तब वीरनारायण

सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करखोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूरकार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपरिथत थे।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने

बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर श्री चैतराम साह्, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

> (डॉ. के.एल.टांडेकर) प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.कं.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग

के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षाणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभिक्त विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएँगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।

प्रशास करें हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं हैं है	क्रात्र /ह्यात्राओं की क्याबित्यत हवं विषय र्संबंधी समस्या निवाला की जानकारी		知了 - 2023-24				
1. उत्तीना कोर्स 8 A III प्रश्न हिल्ला की किया में प्रश्न हिल्ला की किया किया की किया की किया की किया किया कि किया कि	कु ध्राम ध्रिमां काम काम व्यामस्या	बिनाक	સમાહ્યા গ	पाड्या पक का नीम		अहमाप कका हिस्ताय (विद्यापिका भोषाष्ट्रल मैं
2. जारा पार्ट कर्मा केलि कारिक समस्या कार्य से प्राप्त कर किल्ला केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि केलि	1. अर्थना कोरेटी BA:III भी Bocuments में संदेशिय	19/7/2023	विद्यार्थी को उधित भार्भ दर्शन एवं समाह		Árema	essh	7489185 889
3. मांहरम प	2: Sem- संबंधित आविष्ठ समस्था उग	22/7/2023	महाविधालाय के विवेकानन्द्र कीय से संश्वास संबंधी साम्मारी -पुदान की गई।	डा. श्रीलन्ड सिंह	TIEIE	850	
प्रिकाली MA pre प्रमान फार्स हुत शाब्यक मिर्टिंग के प्रमान प्रमान कि स्थान कर्मा क्रिक्ट कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म	3. मोहम्म द हाइम टेबल की मंबंहित जैद हिना अमह्या/र का (ही प्री) Sem: श्रीका	THE DESIGNATION OF THE PERSON	सम्बन्ध दिखाकर/ समझाकर समस्या/अँब का समाधा १ किया	जा हिल्ड	Jare!	MIL.	
5. विवादा साह MET/SET संबंधी किलान से 12/12/2023 किलाह साह Related समस्या कर्माई गई समस्या कर साह समस्या कर समस्या किला जागा) 6.	The Company of the Co	1 7 /08/2013	ed पुरुष्ण कर कर के	डा. २)लेन्ड फिर्स	र्म्गाली	1	
7. Cord manufacture (C.G.)	5. ANOTHER MAIL NET/SET ZIGHEN LOWARD AND AND AND AND AND AND AND AND AND AN	12/12/2023	विभाग में उपलब्ध ठळ १६ ७५१ ग करके समस्या का सभाधान	हमलत)		Hefsoly.	
7. Contains and Co		375.12		The HT-		(15X	
	1-12 200					Cont Don't	PG (C.G.)
The state of the s	g. m.						

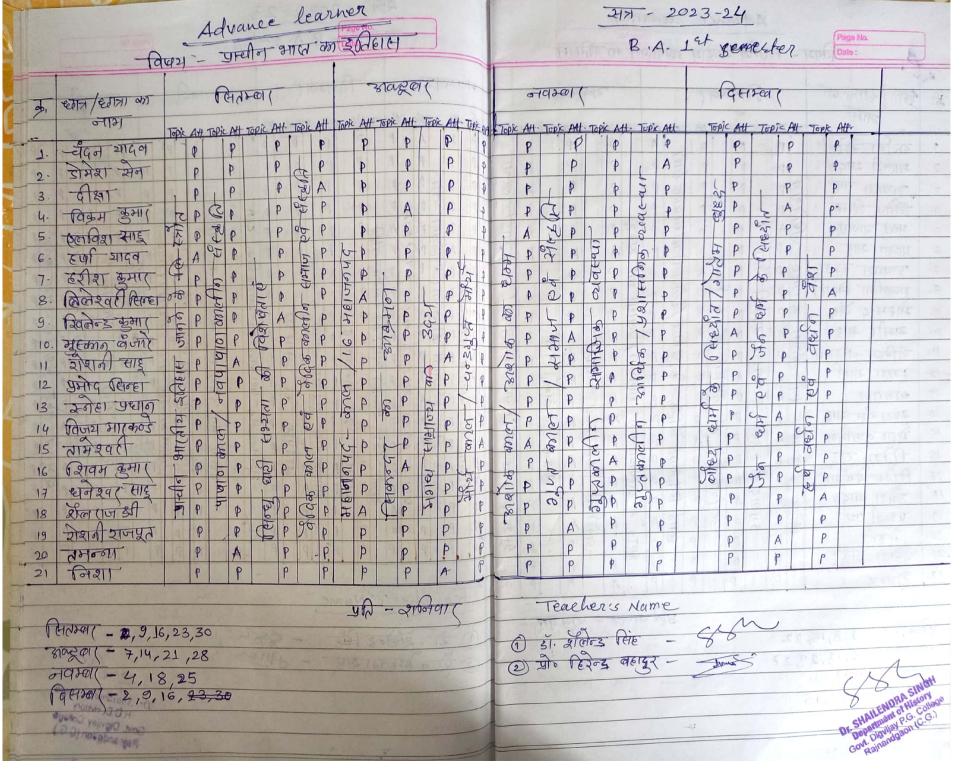
इतिहास विभाग सत्र-2023-202५ विभागीय अकादमिक कैलेंडर

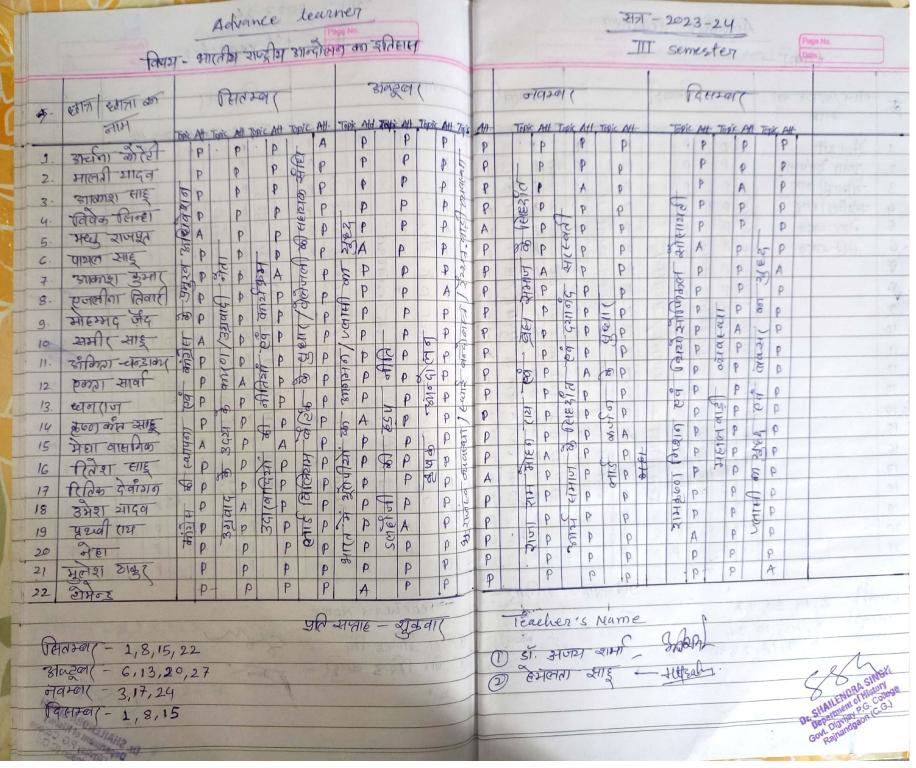
क्र.	कार्यक्रम/गतिविधियां	प्रस्तावित तिथि
1.	विभागीय बैठक	जुलाई प्रथम सप्ताह
2,	अगस्त क्रांति	8 अगस्त
3.	पटेल जयंती	31 अक्टूबर
4.	शहीद वीर नारायण जयंती	10.दिसंबर
5.	शिक्षक अभिभावक सम्मेलन	जनवरी
6.	नेताजी सुभाष चंद जयंती	23 जनवरी
7.	नेट स्लेट हेतु कक्षाएं	जनवरी एवं फरवरी
8.	एल्यूमिनी सम्मेलन	फरवरी प्रथम सप्ताह
9.	ऐतिहासिक भ्रमण क्षेत्रीय	फरवरी प्रथम सप्ताह
金10.	राष्ट्रीय भ्रमण	फरवरी अंतिम सप्ता

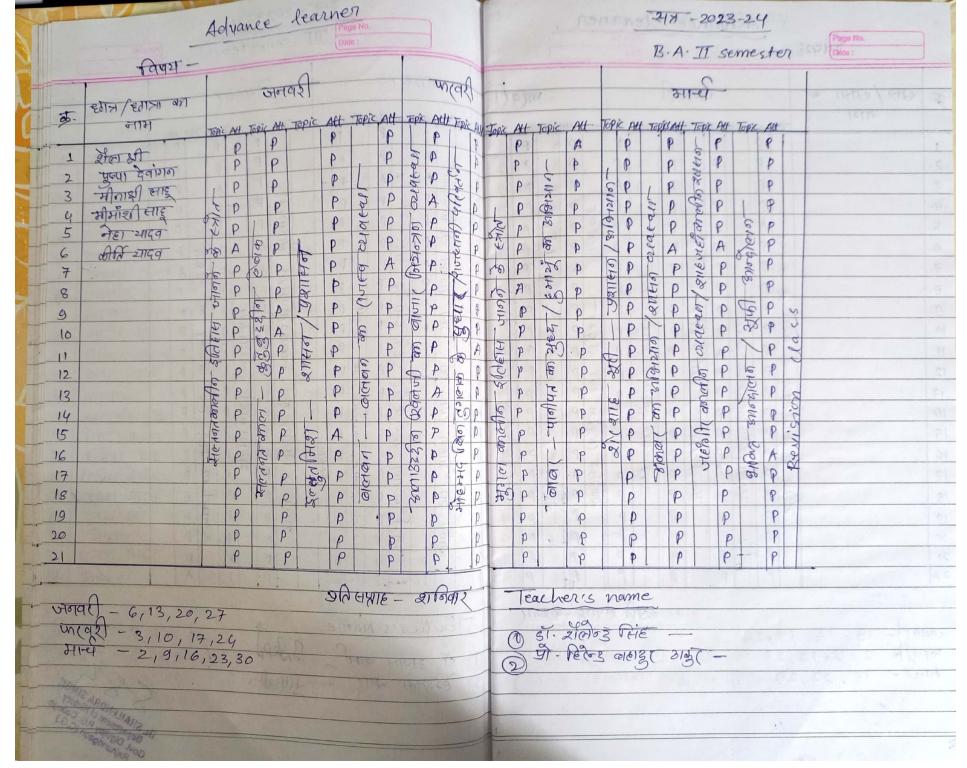
इसके अतिरिक्त समय अनुकूल शैक्षणिक एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विभिन्न व्याख्यान का

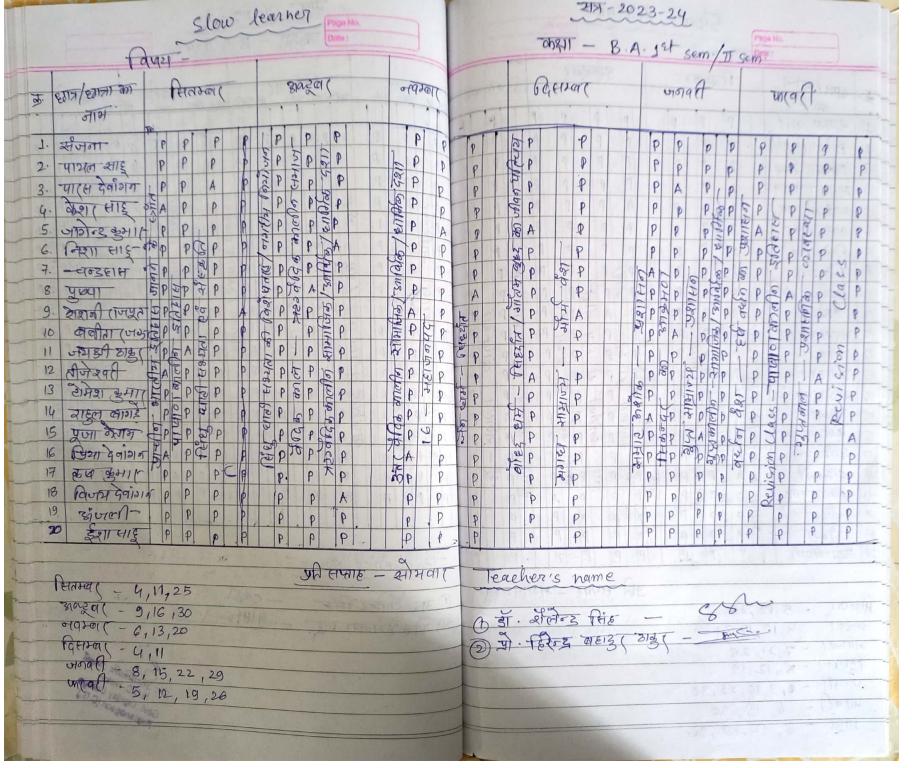
Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)

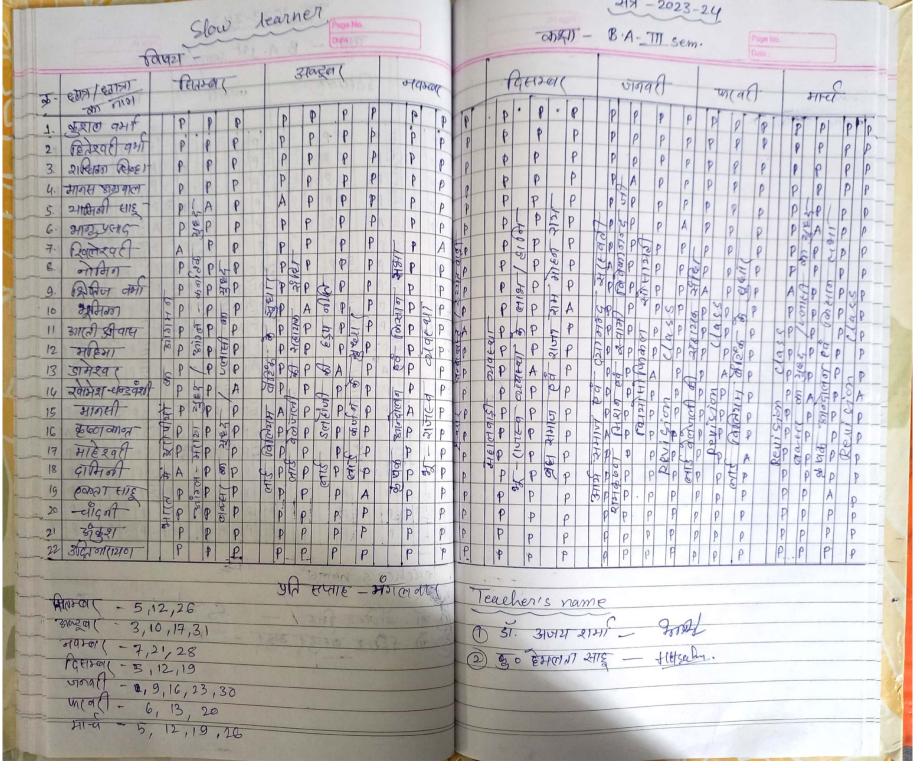
Dr. SHAILENDRA SINGH
Department of History
Govt. Digvijay P.G. College
Rajnandgaon (C.G.)













Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

a: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती मनाई गई



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के.एल.टान्डेकर ने

कहा कि सरदार पटेल कड़े अनुशासन के पक्षपाती थे। वे अनुशासनहीनता के कार्यों को सहन नहीं कर सकते थे। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उपर से वे रूखे निष्टुर और अभिमानी से लगते थे। परन्तु भीतर से वे सरल स्वभाव के थे। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल दृढ़ संकल्प, के धनी थे। कठिन से कठिन परिस्थितियों में वे घबराते नहीं थे। उनमें दल संगठित करने की अद्भूत क्षमता थी। वे जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर जोर देते थे। उन्होंने चर्चिल को जवाब देते हुए कहा "आप लोग यह सोचकर बोले कि आप स्वतंत्र भारत से बातचीत कर रहे हैं।"

हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा — 1927 में वारडोली सत्याग्रह हुआ, जिसका नेतृत्व सरदार पटेल ने किया। इसी समय जनता ने उनको सरदार की उपाधि से सुशोधित किया और उनकी गणना भारत के प्रमुख नेताओं में होने लगी। कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्र प्रगति भूआर्य ने किया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में मनाया गया सुभाषचंद्र बोस जयंती



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुभाषचंद्र बोस जयंती मनाई गई। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे सहा.प्राध्यापक इतिहास, रानी रश्मि देवी महाविद्यालय, खैरागढ, विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा सुभाषचंद्र बोस के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि वीर सावरकर ने सुभाषचन्द्र बोस की क्षमता को पहचाना तथा छोटै-छोटे आंदोलनों में शक्ति व्यय करने के रथान पर कोई ठोस कार्य करने के लिए कहा। उन्होंने सुभाषचन्द्र बोस को राय दी कि उन्हे देश के बाहर जाकर अन्य देशों से सहायता लेकर भारत को स्वतंत्रता के प्रयत्न करने

चाहिए। सुभाषचन्द्र बोस ने रूस, इटली, जर्मनी आदि देशों से सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया। जर्मनी सरकार से मिलने के बाद उन्होंने फी इंडिया सेन्टर की स्थापना की। प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि 1923 में चितरंजन दास द्वारा सुभाष को स्वराज दल का महामंत्री का कार्य सौंपा गया। उनके प्रयासों से कलकत्ता नगर निगम के चुनावों में स्वराज दल की सफलता मिली। उन्होंने कलकत्ता की सड़कों के नाम अंग्रेजी के नाम से बदल कर भारतीय महापुरूषों के नाम कर दिए। गांधीजी से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्होंने कांग्रेस से त्यागपत्र देकर "फार्र्वड.ब्लाक" नामक दल बनाया। मुख्य वक्ता श्री जितेन्द्र साखरे ने कहा कि सुभाष बचपन से ही स्वतंत्रता प्रेमी थे। सुभाषचंद्र बोस पर विवेकानंद का काफी प्रभाव था। उन्होंने 1920 में आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की किंतु अंग्रेजी शासन के अधीन नौकरी करना स्वीकार

नहीं किया। 22 सितम्बर 1944 को सुभाष बोस ने "शहीद दिवस" मनाया तथा घोषणा की "हमारी मातृभूमि स्वतंत्रता की खोज में है। तुम मुझे अपना खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा" दूर्भाग्यवश उनका यह स्वप्न पूरा पूरा न हो सका। 21 अक्टूबर 1943 को सुभाषचन्द्र बोस ने अस्थाई सरकार की स्थापना की जिसे जापान, जर्मनी, चीन, इटली, कोरिया, फिलिपिंग आदि देशों ने मान्यता दी थी कार्यक्रम का संचालन एम.ए.पूर्व की छात्रा प्रगति नोन्हारे ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अजय शर्मा द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में इतिहास दर्शन पर व्याख्यान



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहसय विभाग में इतिहास दर्शन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रारंग में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्ट्र सिंह ने व्याख्यान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला और कहा कि इतिहास दर्शन का उद्देश्य स्वयं का चिंतन विश्व इतिहास तथा इतिहास के सामान्य नियमों से है। इसे इतिहास दर्शन की संज्ञा दी जा सकती है। मुख्यवक्ता डॉ.आशा चौधरी शासकीय नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ ने इतिहास दर्शन पर प्रकाश डालते हए कहा कि इतिहास घटनाओं में से एक घटना मात्र को देखता है, जबिक दर्शन इतिहास के प्रामाण्य अर्थ और वास्तविकता को निश्चित करने का दावा करता है। इतिहास के प्रामाण्य का प्रश्न नही उठता। जो सफल होता है उसी का इतिहास होता है। इतिहास में मार्क्स का महत्व लेनिन और स्टालिन के कारण है।

अन्यथा मार्क्स का पता केवल सामाजिक विज्ञान तक ही सीमित रहता। परिणाम स्वरूप इतिहास दर्शन का अभिप्राय अतित कालीन घटना के निहित मानसिक प्रक्रिया अथवा विचार को वर्तमान और भविष्य में प्रतिरोधित करना मात्र होता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार डॉ.हेमलता साहू द्वारा किया गया।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com : & Fax 07744-296331

College Code: 1901

छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीरनारायण सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग में शहीद वीरनारायण सिंह जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर ने कहा कि वीरनारायण सिंह छत्तीसगढ खतंत्रता संग्राम सेनानी थे। नारायण सिंह का जन्म 1795 में विझवार जनजाति में हुआ था। 1856 में छत्तीसगढ क्षेत्र में अल्पवर्षा के कारण भयंकर अकाल पडा तब वीरनारायण

सिंह ने ब्रिटीश कम्पनी को कर देने में समर्थता व्यक्त की और सहायता का निवेश किया। संकट की इस घड़ी में कुछ व्यापारियों ने अनाज को दबाकर रखा था। करखोल के एक व्यापारी माखन ने अपने गोदाम में अनाज जमा कर रखा था, उसे अपने कब्जे में कर वीरनारायण सिंह ने किसानों को बांट दिया था। व्यापारी की शिकायत पर नारायण सिंह पर लूटमार और डकैती का आरोप लगाकर 24 अक्टूबर 1856 को रायपुर जेल में डाल दिया गया था। विभागध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि 1857 का विद्रोह जब प्रारंभ हुआ उसकी हलचल छत्तीसगढ़ में भी हुआ। 28 अगस्त 1857 को नारायण सिंह जेल से भागने में सफल हो गये। नारायण सिंह जानते थे कि ब्रिटीश सरकार उन पर कार्यवाही करेगी।

अतः उन्होंने 500 सैनिकों की सेना संगठित की थी। सोनाखान पर आक्रमण की जिम्मदारी कर्नल स्मित को सौंपी गई। नारायण सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। डिप्टी कमिश्नर इलियेट ने लिखा था :- मेरे कोर्ट के समक्ष जमीदार को प्रस्तुत किया गया और उस पर 1857 की अधिनियम की धारा 6 एक्ट 14 के अंतर्गत उस पर अभियोग लगाया गया। मैंने उसे फांसी की सजा सुनाई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रोफेसर होरेन्द्र बहादुर ठाकुर ने कहा कि नारायण सिंह के रूप में अंग्रेजों के समक्ष चुनौती कितनी बड़ी थी, इसका अंदाज इस बात से लगता है कि नारायण सिंह को फांसी दिए जाने के बाद सरकार ने उन जमीदारों को पुरूस्कार किया, जिन्होंने नारायण सिंह के विद्रोह के दमन में उनकी मदद की इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.टांडेकर द्वारा वीरनारायण सिंह से संबंधित प्रश्न पूछा गया और विभाग के उत्तर देने वाले विद्यार्थियों वैशल्या, पेमिन धारगवे, वर्षा साहू, नेमचंद-साहिल रावटे को पुरूरकार दिया गया। इस अवसर पर डॉ.अजय शर्मा, डॉ.हेमलता साहू तथा एम.ए.के विद्यार्थी उपरिथत थे।



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन आयोजित



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय इतिहास विभाग में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ.के.एल. टांडेकर द्वारा अभिभावकों को महाविद्यालय से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया तथा उन्होंने पालकों को कहा कि आप हमेशा अपने

बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहें तथा महाविद्यालय के विकास से संबंधित अगर कोई सुझाव प्रदान करते हैं, तो अवश्य उस पर अमल किया जाएगा।

विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने अभिभावकों को विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही विभाग द्वारा वर्ष में राष्ट्रीय भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को होने वाले लाभों के बारे में बताया। महाविद्यालय द्वारा संचालित विवेकानंद कोष की भी जानकारी प्रदान की गई। विभाग में समय-समय पर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने हेतु विभिन्न विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है, जिससे उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थी प्राप्त कर सके।

उपरोक्त सभी अभिभावकों ने महाविद्यालय तथा विभाग से मिलने वाली सुविधाओं पर अपनी असंतुष्टि जाहिर की। इस अवसर पर अभिभावकगण श्री पुरूषोत्तम तिवारी, श्री गौतमराय यादव, श्री सच्चिदानंद सोनकर श्री चैतराम साह्, श्रीमती सुशीला बाई साहू, श्रीमती रहमत बेग, प्रतिभा देवांगन, श्री निखिल दास वैष्णव, श्रीमती हेमबाई साहू, श्री भोजराम साहू तथा अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। संचालन प्रो. हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर तथा आभार हेमलता साहू द्वारा किया गया।

> (डॉ. के.एल.टांडेकर) प्राचार्य शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)



Web site- www.digvijaycollege.com

Email: principal@digvijaycollege.com

8: & Fax 07744-296331

College Code: 1901

नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयकता और समग्र शिक्षा है – डॉ.शैलेन्द्र सिंह



शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ.कं.एल. टाण्डेकर के मार्गदर्शन में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति के अंतर्गत विस्तार गतिविधि हेतु ठाकुर प्यारेलाल सिंह माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग

के विभागाध्यक्ष डॉ.शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षानीति का उद्देश्य बहुविषयक और समग्र शिक्षा है। नई शिक्षानीति के अंतर्गत 1 वर्ष के बाद प्रमाण पत्र, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी। नई शिक्षानीति के अंतर्गत कला विज्ञान का व्यावसायिक और शैक्षाणिक कार्यक्रमों के नीचे कोई औपचारिक अंतर नहीं होगा। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुरूप विषयों का चुनाव कर सकते हैं। विज्ञान का विद्यार्थी भी इतिहास विषय को जी.ई.विषय के रूप में चुन सकती है। इंटर्रशिप को व्यावसायिक शिक्षा में शामिल करने पर भी जोर दिया जा रहा है। विस्तार गतिविधि के अंतर्गत प्रो.हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा इतिहास अध्ययन के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला गया तथा बताया गया कि इतिहास से बुद्धिमतापूर्ण देशभिक्त विकसित करना, मानव सभ्यता के क्रमिक विकास का अध्ययन, प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना है। प्यारेलाल स्कूल के प्राचार्य श्री भूषण साव ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा कहा कि इससे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और जब वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने जाएँगे तो वे नई शिक्षा नीति के सभी पहलुवों से परिचित होंगे। इस अवसर पर एम.ए.के विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा सहीं जवाब देने पर उन्हे पुरस्कृत किया।